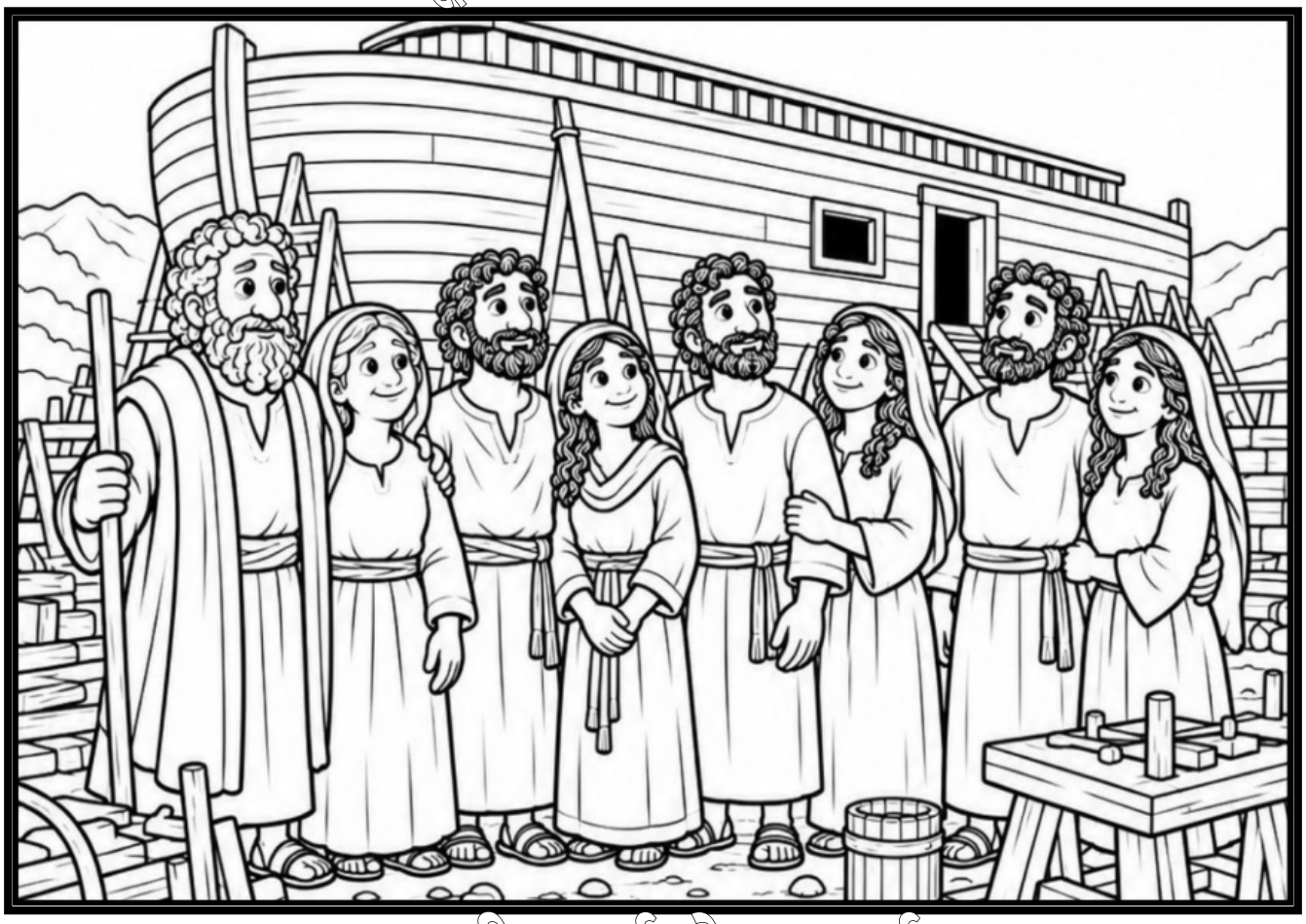
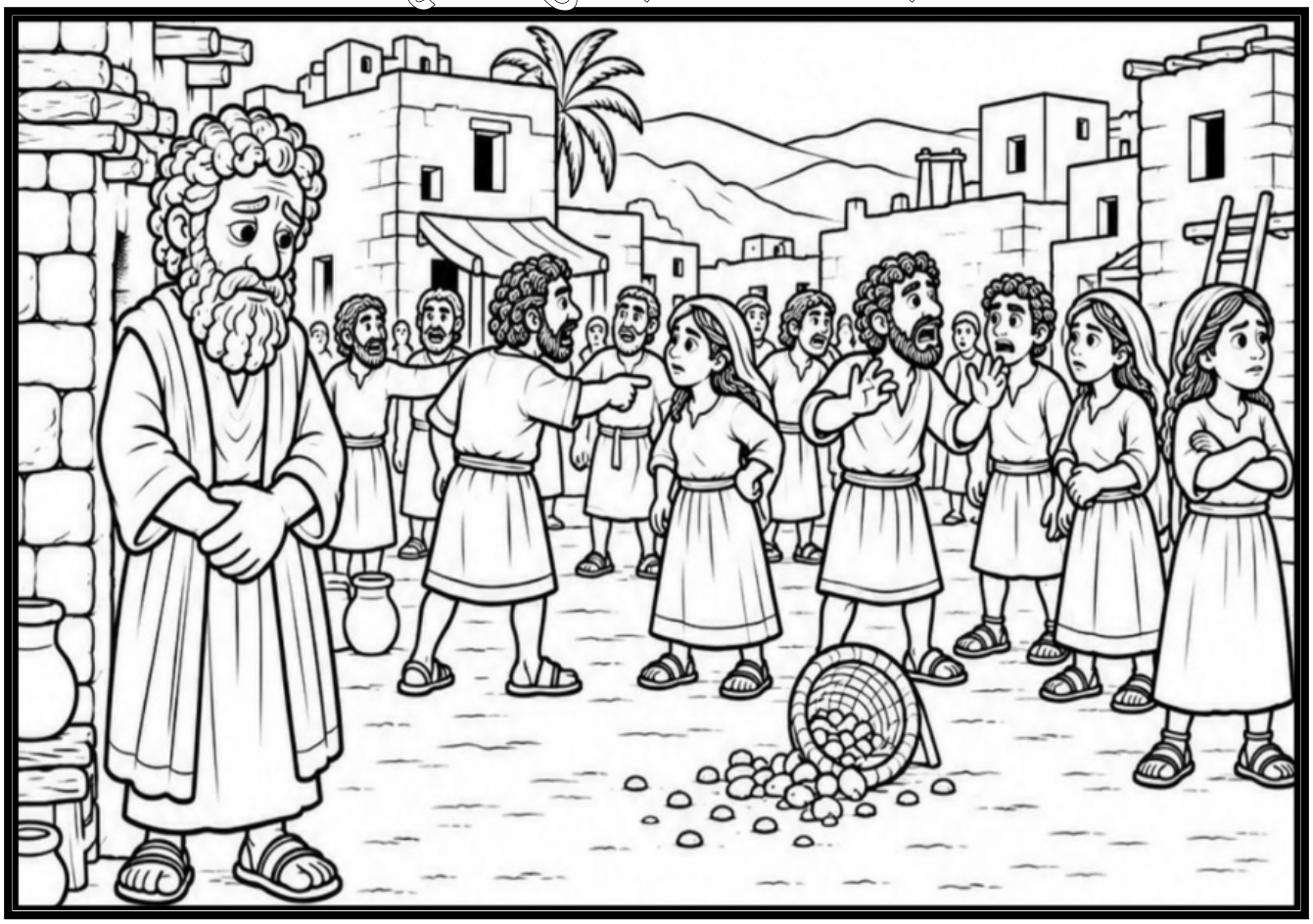
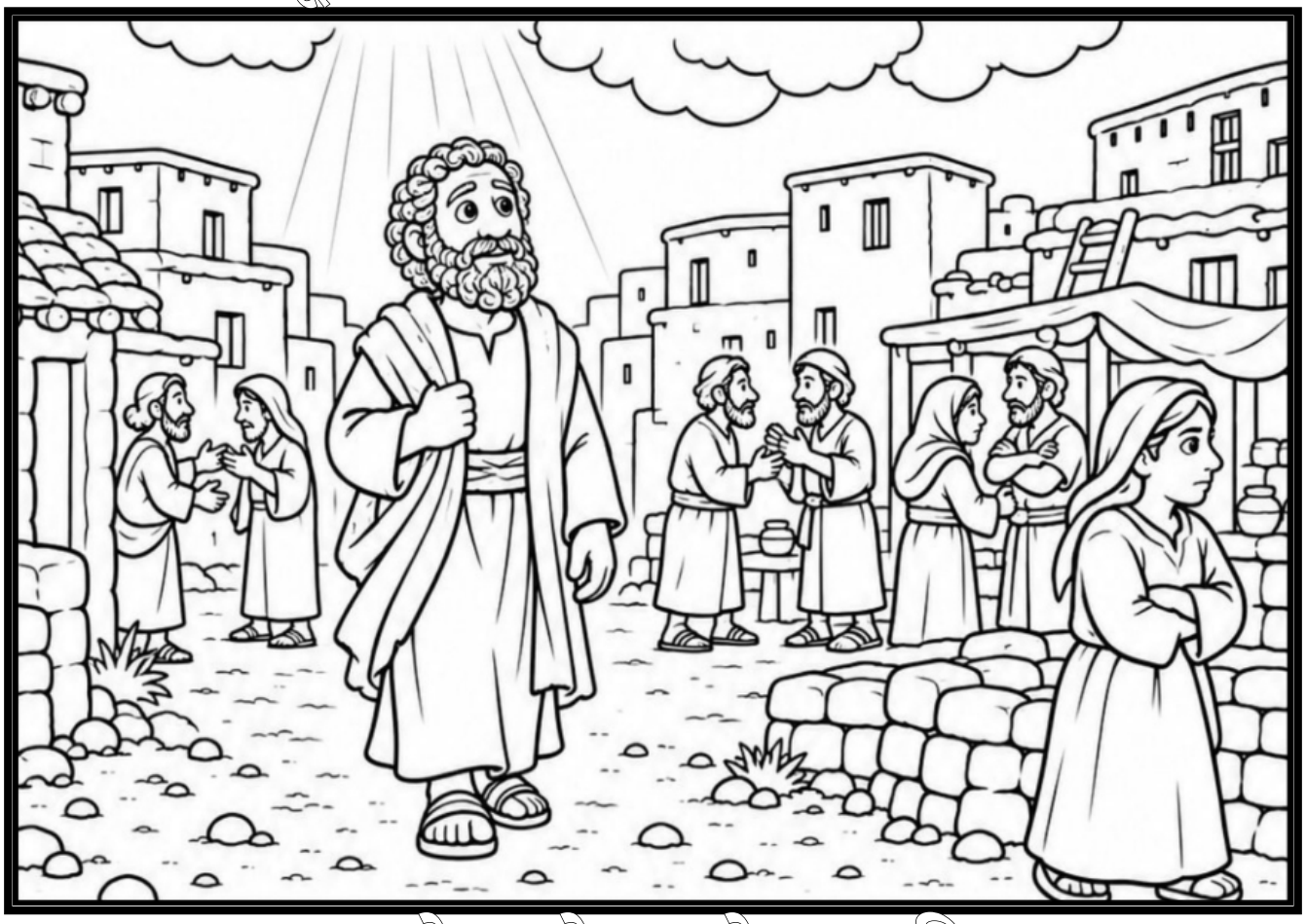
नूह जहाज़ बनाता है



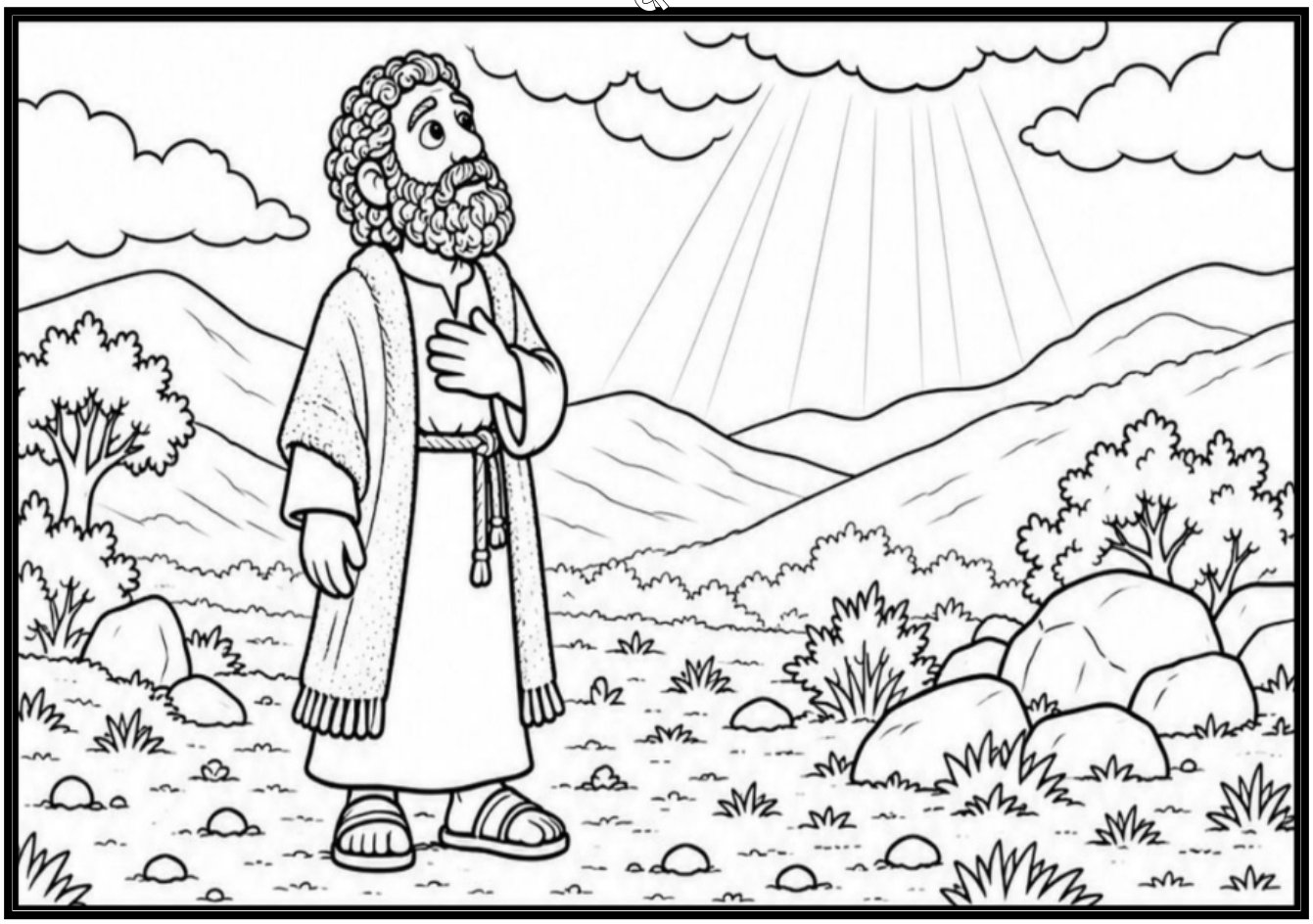
पृथ्वी बुराई से भर गई



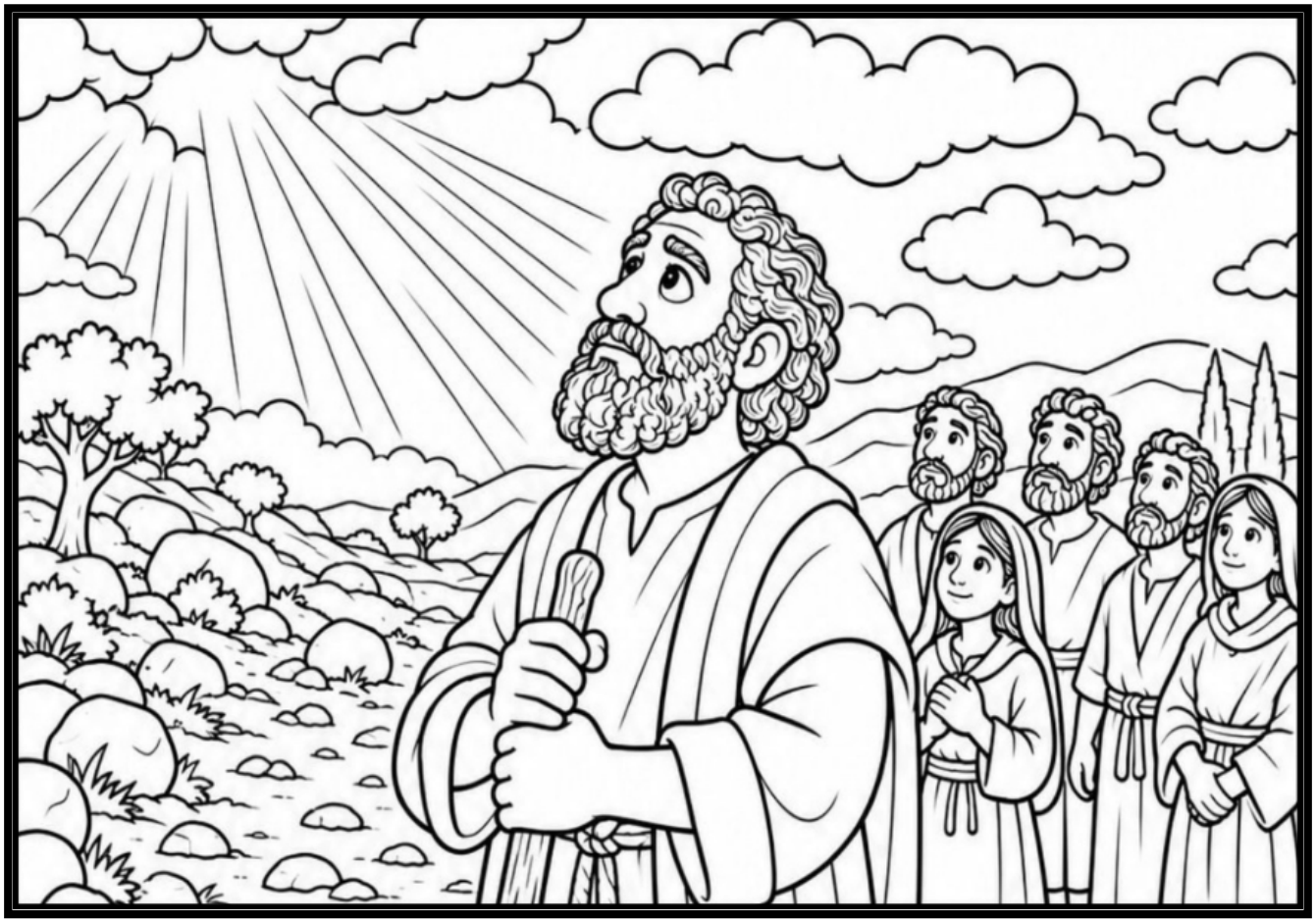
नूह परमेश्वर के साथ चलता था



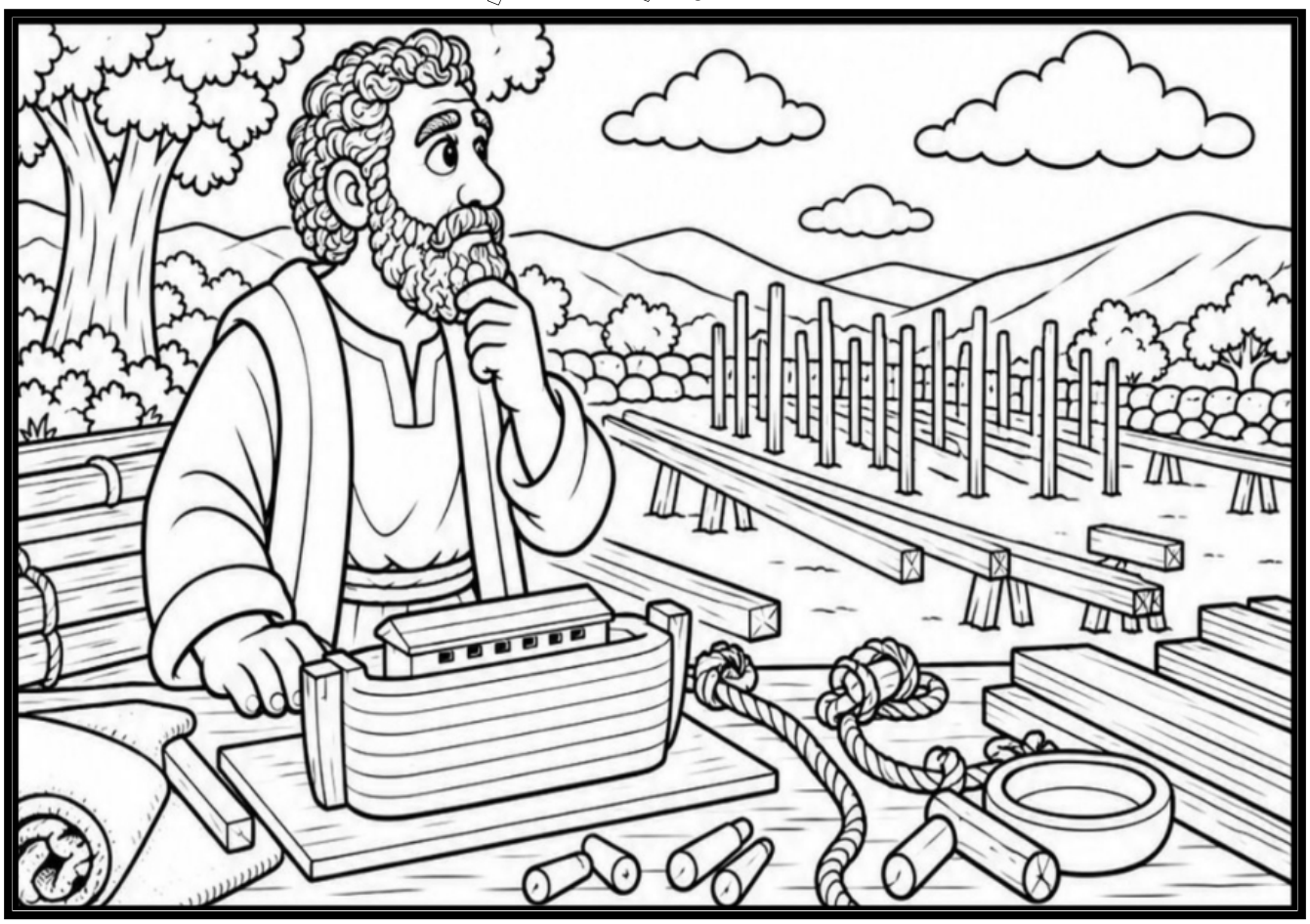
परमेश्वर ने नूह से बात की



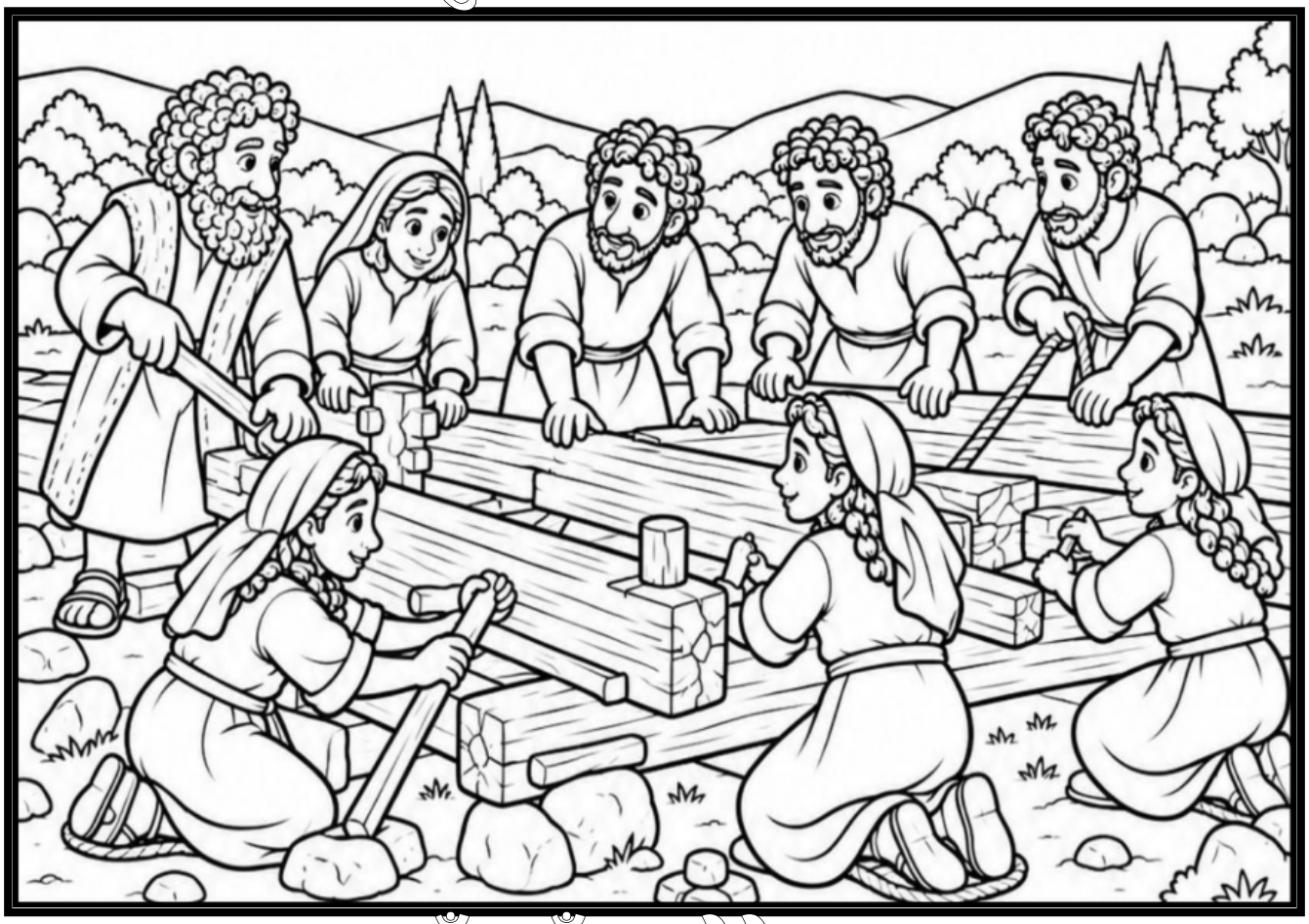
एक बड़ा जलप्रलय आने वाला था



एक जहाज़ बना



बहुत विशाल निर्माण



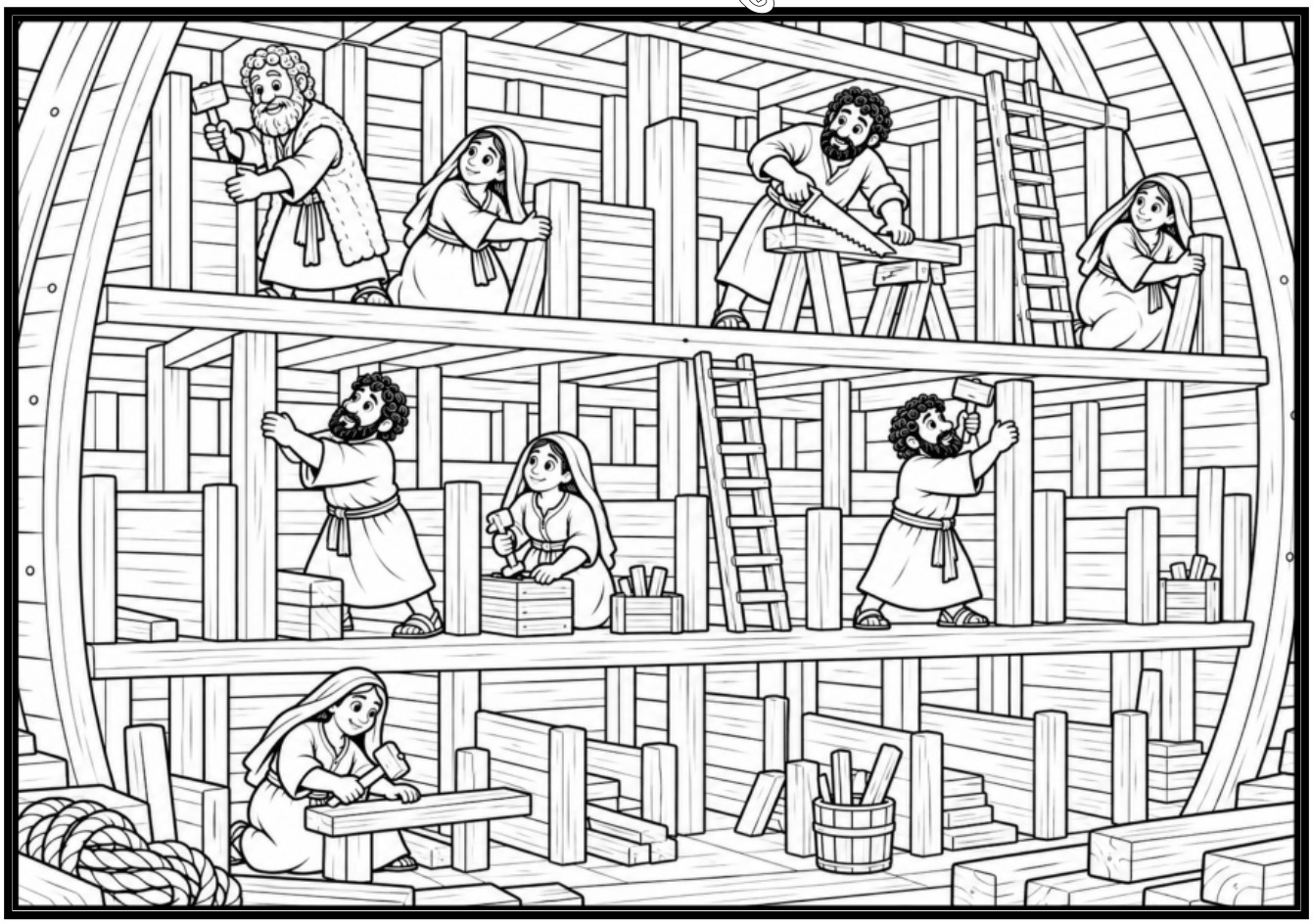
ढाँचा ऊँचा होने लगा



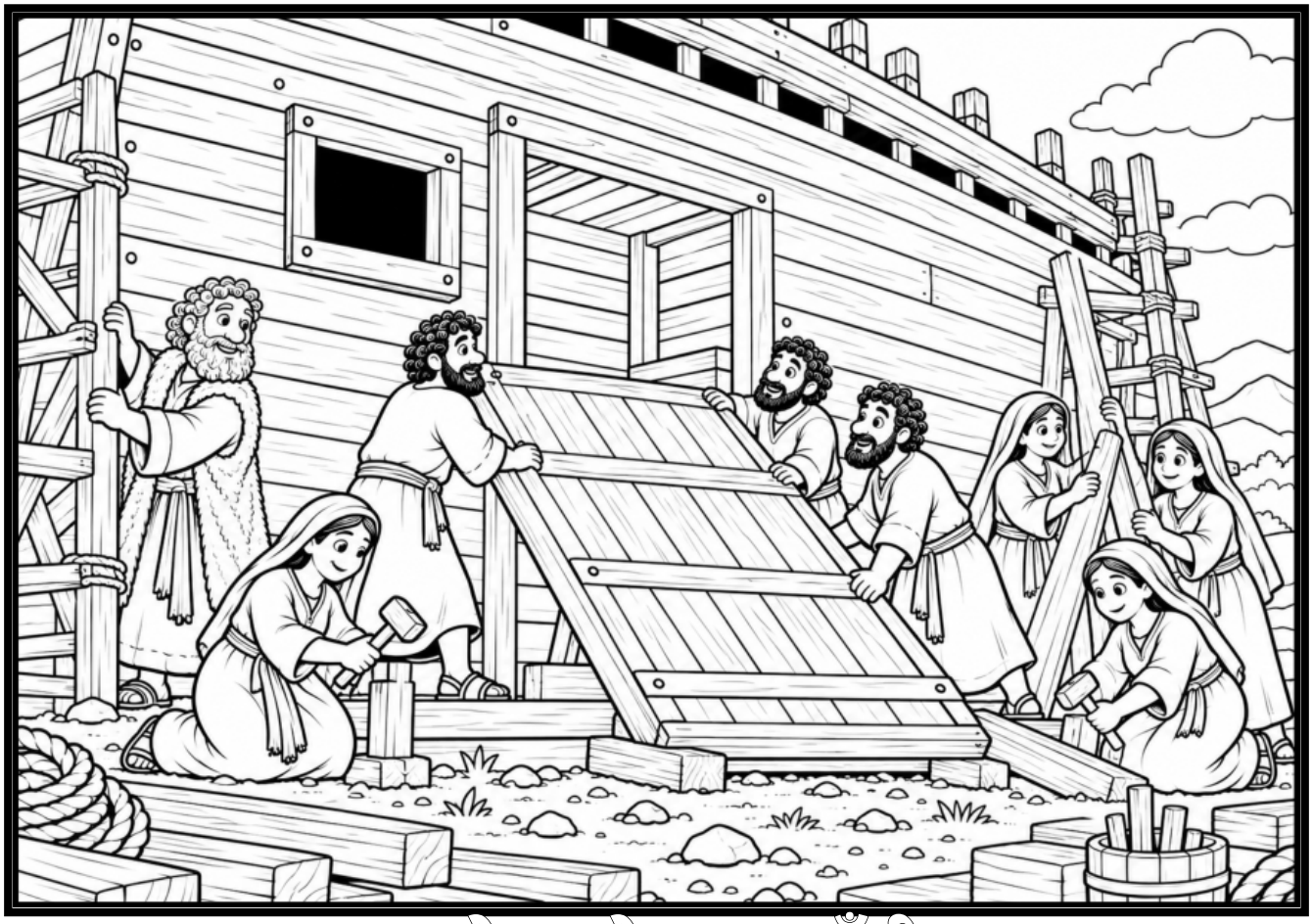
सारी लकड़ी सुरक्षित की



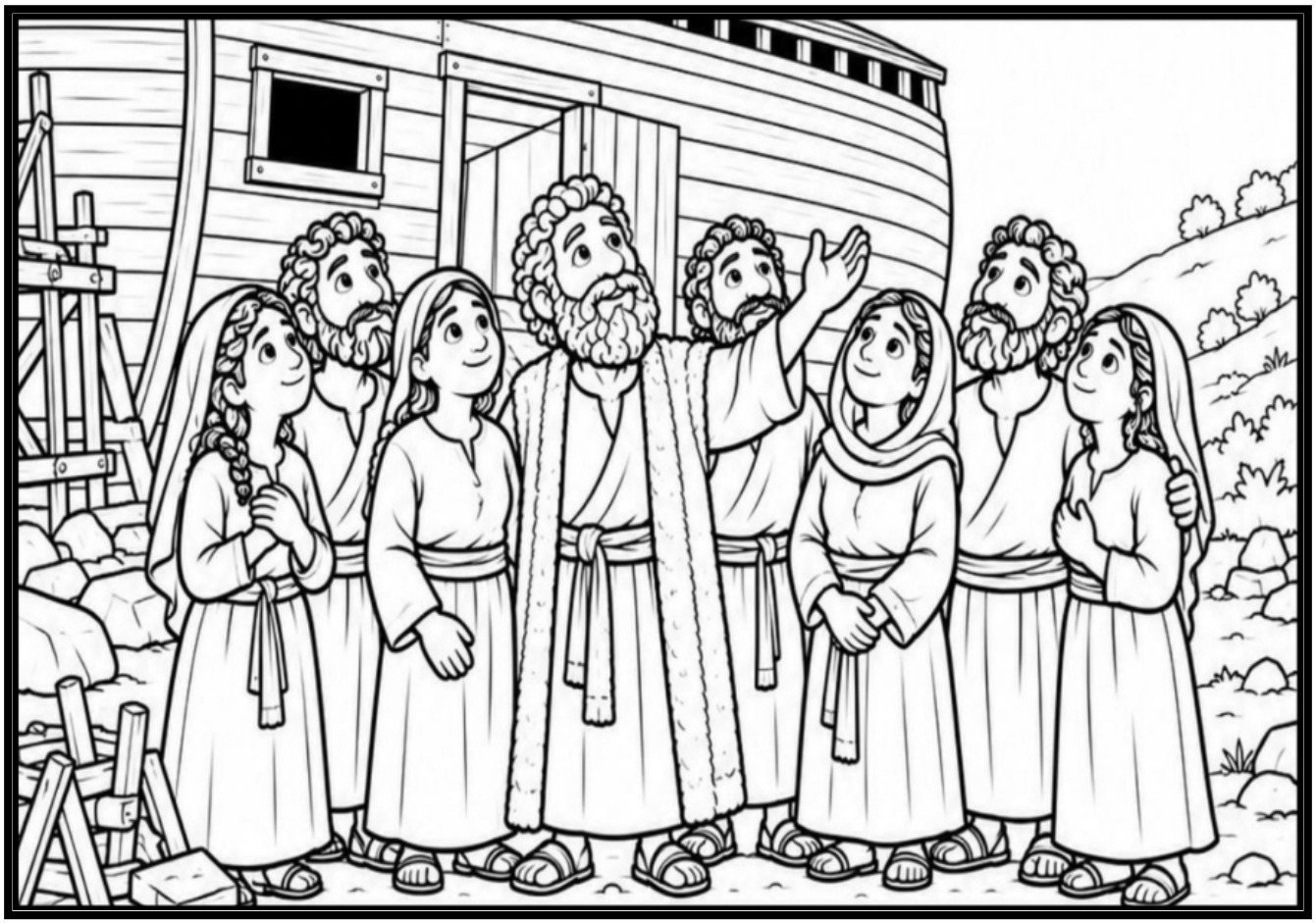
तीन मंजिलें और बहुत से स्थान



एक द्वार और एक खिड़की



परमेश्वर ने वाचा बाँधी



पशु और भोजन



नूह ने परमेश्वर की सारी आज्ञा मानी

